My City 26-07-2017

एनएसआई में रिसर्च कर सकेंगे सीएसए के छात्र

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के पीएचडी छात्रों के लिए खुशखबरी है। अब वे गन्ना और चीनी से संबंधित रिसर्च वर्क नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में पूरा कर सकेंगे। छात्र एनएसआई के लैब व एक्सपर्ट की मदद भी ले सकेंगे। इसके लिए यूनिवर्सिटी और एनएसआई के बीच शनिवार को समझौता हो गया है।

छात्रों को यह सुविधा इसी सत्र से मिलने लगेगी। समझौते के दौरान यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. सुशील सोनोमन और एनएसआई के डायरेक्टर प्रो. नरेंद्र मोहन मौजूद रहे। प्रो. सुशील सोलोमन ने बताया कि यह ऐतिहासिक कदम होगा। बतौर प्रो. सोलोमन इस समझौते से शोध कार्य में गुणवत्ता आती है।

दोनों संस्थानों के बीच हुआ समझौता

समझौते के ये हैं अहम बिंदु

- सीएसए के शोध छात्र एनएसआई में शोध कार्य पूरा कर सकेंगे।
- छात्र एनएसआई के वैज्ञानिकों के टिप्स लेंगे व उनसे अध्ययन करेंगे।
- शोध कार्य की सिनॉप्सिस संयुक्त रूप से दोनों संस्थान के वैज्ञानिक मिलकर तैयार करवाएंगे।
- प्रकाशित होने वाले शोध पत्रों पर दोनों संस्थानों का स्वामित्व होगा।
- दोनों संस्थानों के वैज्ञानिक समय-समय पर व्याख्यान देंगे।
- यदि कोई संस्थान इस करार को तोड़ना चाहता है तो उसे छह माह पहले सूचना देनी होगी।

वैश्विक स्तर की चीनी होगी तैयार

प्रो. सोलोमन ने बताया कि सीएसए के छात्रों द्वारा अलग-अलग तरह से गन्ने के उत्पाद, चीनी की गुणवत्ता पर शोध किए जाएंगे। इससे चीनी की गुणवत्ता को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी।

एनएसआई के साथ एमओयू साइन करने के बाद सर्टिफिकेट दिखाते सीएसए के कुलपति प्रो. सुशील सोलोमन, एनएसआई के डायरेक्टर डॉ. नरेंद्र, रजिस्ट्रार डॉ. राजेंद्र प्रसाद व अन्य।